जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

11 अक्टूबर 2021

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया के छात्र का हेल्थ-टेक स्टार्ट-अप इनक्यूबेशन प्रोग्राम के लिए चुना गया

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के छात्र मोहम्मद आकिब जावेद ने महामारी के बीच एक हेल्थकेयर स्टार्ट-अप "हेल्थक्रेसी" लॉन्च किया है। हेल्थक्रेसी विभिन्न प्रकार की सुविधाओं के लिए एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित एकीकृत स्वास्थ्य देखभाल मंच है जो ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग करता है।

जामिया के उद्यमिता, नवाचार और डिजाइन थिंकिंग कार्यक्रम में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के छात्र और स्टार्ट-अप के संस्थापक आकिब ने कहा, "हमारा दृष्टिकोण स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता की व्यावहारिकता को बढ़ाते हुए समय और स्वास्थ्य व्यय को कम करना और भागदौड़ के जीवन में मौलिक अनुसंधान, स्वास्थ्य देखभाल नवाचार के द्वारा एक मजबूत स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन करना है।"

हेल्थकेयर को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (निफ्ट), दिल्ली और जेसी बोस यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, वाईएमसीए, फरीदाबाद में इनक्यूबेशन के लिए चुना गया है। इन दोनों के बीच, टीम ने निफ्ट (एनएफडीआई) में इनक्यूबेशन को चुनने का फैसला किया। जामिया के छात्र द्वारा स्टार्ट-अप को होम एंड स्पेस इनक्यूबेटर के तहत तीन महीने की अवधि के लिए प्री-इनक्यूबेट किया जाएगा। इससे पहले उद्यमिता, नवाचार और डिजाइन थिंकिंग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के एक छात्र द्वारा स्टार्ट-अप में से एक को आईआईएम बैंगलोर द्वारा मेंटरिंग के लिए चुना गया था।

हेल्थकेयर को भारत-स्वीडन हेल्थकेयर इनोवेशन चैलेंज में भाग लेने के लिए योग्य पाया और आमंत्रित किया गया है ताकि स्टार्ट-अप इंडिया पॉलिसी के माध्यम से भारत और विदेशों में हेल्थकेयर डिलीवरी की फिर से पुनर्कल्पना की जा सके।

भारत-स्वीडन हेल्थकेयर इनोवेशन सेंटर, आईसीएमआर की सक्रिय भागीदारी के साथ स्वीडिश ट्रेड कमिश्नर कार्यालय, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली (एम्स दिल्ली) और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर (एम्स जोधपुर) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय-भारत, स्वास्थ्य और सामाजिक मामलों के मंत्रालय-स्वीडन, स्टार्ट-अप इंडिया, एस्ट्राजेनेका और नैसकॉम के बीच एक त्रिपक्षीय सहयोग है।

भारत-स्वीडन हेल्थकेयर इनोवेशन सेंटर क्लिनिकल सत्यापन, क्रॉस कंट्री मेंटरशिप, नेटवर्किंग, फंडिंग एक्सेस और अंतर्राष्ट्रीय विस्तार के माध्यम से स्टार्ट-अप के लिए विकास उत्प्रेरक के रूप में कार्य करता है।

नवाचार एवं उद्यमिता केंद्र के निदेशक प्रो अरशद नूर सिद्दीकी, जिन्होंने स्टार्ट-अप का निर्देशन किया है, उन्होंने संस्थापक और टीम को शुभकामनाएं दीं जो इस स्टार्ट-अप पर काम कर रहे हैं और कहा, “हम महामारी के कठिन दौर से गुजरे हैं और यह बहुत गर्व का क्षण है कि हमारे छात्र जरूरत के समय में स्वास्थ्य क्षेत्र में योगदान दे रहे हैं।” ऐसा योगदान उद्योग में पथप्रदर्शक होगा और एक आम आदमी के दिन-प्रतिदिन के जीवन में बहुत मददगार होगा। उन्होंने आगे कहा कि कुलपति प्रो नजमा अख्तर के नेतृत्व में विश्वविद्यालय प्रशासन छात्रों को स्टार्ट-अप और उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित कर रहा है।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया